

## प्रादेशिक/विविध

जयपुर, शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाई विवेकानन्द जयन्ती एनएसएस के सहयोग से मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

न्यूज ज्योति

**चिन्तौडगढ़:** स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर के युवाओं में हिन्दूत्व और ऊर्जा का स्रोत भरा बह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाा पुंज थे। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की विखरी हुई जनत में आत्मविश्वास के बो पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्राप्तिमान कर दिया। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। कुलपति प्रो. (डॉ.)



आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि उसस्थान के महाराजा

सुझाये गये विवेकानन्द नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुर्णजागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महतीय है। अन्त्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी था जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मध्य रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है प्रतिकूलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतंत्रता तथा विश्वगुरु बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों हिमायु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ विपुल कुमार धीमान

और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ ग्रुप डास्ट प्रस्तुत किए। राकेश झंकर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान कराया। बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती बन्दना, कुलार्पीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रानन्द से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुक्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिस्ट्री डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीपी शास्त्री, डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## अपना शहर

### जननायक

# स्वामी विवेकानन्द ने किया भारत को युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्रगतिमान : डॉ. गदिया

नेवाइ विश्वविद्यालय  
में मनाया राष्ट्रीय युवा  
दिवस

चित्तौड़गढ़, 12 जनवरी  
(कास). स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर युवाओं में हिन्दुत्व और कर्जा का स्रोत भरा वह अविसरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाश पुंज थे। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस का उन पर बरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की विख्यात हुई जनता में आत्मविश्वास के बहु पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अव्यक्तता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। इस मौके पर कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि गणस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द



नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुनर्जागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी थी, जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक कर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है। प्रतिकुलपति आनन्द बद्रहन शुब्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार

उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विश्वगुरु बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्विमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ, विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ गुप्त डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंकर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये शास्त्री, डार्येकर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी ने अपनी टीम के साथ सङ्क सुरक्षा

पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती बन्धना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन गाइगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद जापन डिस्ट्री डीन इंजीनियरिंग कापिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर गाजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीपी शास्त्री, डार्येकर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के प्रशिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में मनाया युवा दिवस

चित्तौड़गढ़। गणकीय कन्या महाविद्यालय में गुरुवार को स्वामी विवेकानन्द जयंती डॉ. शर्मा शर्मा की अव्यक्तता, गण्डमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाइवत के मुख्य अतिथि, सभापति संदीप शर्मा, पंचायत समिति सदस्य अंजु कुवर चुंडावत के विशिष्ट अतिथि में युवा दिवस के रूप में मनाइ गई।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. ममता शर्मा ने मं सरस्वती के समाध दीप प्रज्ञवलित कर एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अपूर्ण कर की गई। कार्यक्रम में गण्डमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाइवत ने अपने उद्घोषन में छात्रा कल्याण और महिला उत्थान के संबंध में अपने विचार प्रकट किए। नगर पालिंद सभापति संदीप शर्मा ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वामी धारण डॉ. उदय सिंह ने एवं प्राचार्य द्वारा अध्यक्षीय धारण दिया गया। इनके साथ ही महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में जिला पुलिस के सौजन्य से छात्राओं को आवश्यक हेतु प्रशिक्षण दिया गया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि शर्मा ने



ग्रज्य महिला नीति के बारे में छात्राओं को अवकाश कराया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाइवत ने महाविद्यालय में सोलर पैनल लगाने की घोषणा की व सभापति संदीप शर्मा ने महाविद्यालय परिसर पर उद्घान के रखरखाव की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतीक चिन्ह भेंट का अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी.एल. महावर, डॉ. ज्योति कुमारी, प्रो. रेखा मेहता, प्रो. वर्षा सिंहवाल, प्रो. जयश्री कुदाल, प्रो. रिकी गुप्ता, प्रो. शंकर मोण सहित समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने प्रशिक्षण के छात्राओं एवं मंडला आर्ट को प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए संग्रहना की।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाई विवेकानन्द जयन्ती

राजस्थान दर्शन

चित्तौडगढ़ स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर के युवाओं में हिन्दुत्व और ऊर्जा का स्रोत भरा बह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाा पुंज थे। उनके गुरु रामकृष्ण परमहस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की बिखरी हुई जनता में आत्मविद्यास के बो पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि राजस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण



राष्ट्र में फैल गया। पुर्नजगरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महतीय है। अन्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी था जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने



स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विवेकानन्द ने कविता पाठ विपुल कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ विपुल कुमार, धीमान और साहित ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ गुप्त दानस प्रस्तुत किए। राकेश झांवर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान कराया। बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कमिटी नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीपी शास्त्री, डायरेक्टर एके डिमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## अपना शहर

### जननायक

# स्वामी विवेकानन्द ने किया भारत को युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्रगतिमान : डॉ. गदिया

नेवाइ विश्वविद्यालय  
में मनाया राष्ट्रीय युवा  
दिवस

चित्तौड़गढ़, 12 जनवरी  
(कास). स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर युवाओं में हिन्दुत्व और कृजा का स्रोत भरा वह अविसरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाश पुंज थे। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस का उन पर बरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की विख्यात हुई जनता में आत्मविश्वास के बहु पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरु बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अवधिकारी करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। इस मौके पर कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि गणस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द



नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुनर्जागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी थी, जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक कृजा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है। प्रतिकुलपति आनन्द बद्रहन शुब्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार

उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विश्वगुरु बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्विमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ, विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ गुप्त डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंकर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये शास्त्री, डार्योकर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी ने अपनी टीम के साथ सङ्क सुरक्षा

पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती बन्धना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन गायगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद जापन डिस्ट्री डीन इंजीनियरिंग कापिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर गाजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीपी शास्त्री, डार्योकर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में मनाया युवा दिवस

चित्तौड़गढ़। गणकीय कन्या महाविद्यालय में गुरुवार को स्वामी विवेकानन्द जयंती डॉ. शर्मा शर्मा की अवधिकारी, गण्डमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाइवलत के मुख्य अधिकारी, समाजित संदीप शर्मा, पंचायत समिति सदस्य अंजु कुमार चंडालत विशिष्ट आतिथ्य में युवा दिवस के रूप में मनाइ गई।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. ममता शर्मा ने मं सरस्वती के समाध दीप प्रज्ञवलित कर एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अपूर्ण कर की गई। कार्यक्रम में गण्डमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाइवलत ने अपने उद्घोषन में छात्रों की धोषणा की व सभापति संदीप शर्मा ने महाविद्यालय परिसर एवं उद्घान के रखरखाव की जिम्मेदारी लेने की धोषणा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतीक चिन्ह भेंट का अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी.एल. महावर, डॉ. ज्योति कुमारी, प्रो. रेखा मेहता, प्रो. वर्षा सिंहवाल, प्रो. जयश्री कुदाल, प्रो. रिकी गुप्ता, प्रो. शंकर मोण सहित समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने प्रश्नोत्तर के रूप में डॉ. शशि शर्मा ने अपनों द्वारा प्रभारी डॉ. शशि शर्मा की

